AZAD UPPCS ACADEMY

AZAD UPPSC ACADEMY

Unit Of Azad Group

Azad Group
empowering nation...

उत्तर प्रदेश

Static GK

उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति 2018 के प्रमुख परिपथ

परिपथ	शामिल स्थल (विवरण)
1. बौद्ध परिपथ	कौशाम्बी (यहां रहकर भगवान बुद्ध ने कई उपदेश दिए थे), कपिलवस्तु (यहां गौतम बुद्ध ने अपने बचपन का अधिकांश समय बिताया था), संकिसा (बौद्ध किंतदंती के अनुसार देवलोक के भगवान बुद्ध यहीं अवतारित हुए थे। यह स्थान फर्रूखाबाद जिले में है), श्रावस्ती (यहां गौतम बद्ध 27 वर्षो तक रहे), कुशीनगर (यहाँ गौतम बद्ध ने महापरिनिर्वाण प्राप्त किया था), सारनाथ (गौतम बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति किये और अपना पहला धर्मोपदेश दिये थे।

AZAD UPPCS ACADEMY

2. ब्रज परिपथ	आगरा (विश्व विख्यात ताजमहल यही है), वृंदावन (यहां भगवान श्रीकृष्ण ने लीलाएं की, कृष्ण को समर्पित कई मंदिर), मथुरा (भगवान श्रीकृष्ण का जन्मस्थान)।
3. कृष्ण परिपथ	गेवर्धन (यहां स्थित गिरिरात पर्वत को बालकृष्ण ने 07 दिनों तक अपनी उंगली पर उठाए रखा था), गोकुल (यहां श्रीकृष्ण का गोपनीय रूप से पालन हुआ), वृदांवन(कृष्ण की लीला स्थली), बरसाना (भगवान कृष्ण की हाहादनी राजधानी यहीं की थीं), मथुरा(श्रीकृष्ण की जन्म स्थली), नंदगांव (श्रीकृष्ण के पालक नंदजी का घर) बलदेव (भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम का मंदिर।

AZAD UPPCS ACADEMY

4. रामायण परिपथ	अयोध्या (भगवान राम की जन्म स्थली), चित्रकूट (यहाँ श्रीराम ने अपने वनवास के दिन व्यतीत किये), शृंगबेरपुर (प्रयागराज जिले मे स्थित इसी स्थान से श्रीराम ने गंगापार नदी किय थे)। 11 मई 2018 को नेपाल के जनकपुर को भी रामायण सर्किट में शामिल कर लिया गया।
5. बुंदेलखंड परिपथ	महोबा (वीर योद्धा आल्हा–ऊदल से संबंधित स्थल), कालिंजर (मध्ययुगीन काल का रणनीतिक महत्व का स्थल, यहां भव्य किया हैं), चित्रकूट (श्रीराम ने वनवास का एक बड़ा भाग यहीं बिताया), बिठूर (कानपूर में गंगा नदी के तट पर स्थित, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी नाना साहेब से संबंधित ऐतिहासिक स्थान)

AZAD UPPCS ACADEMY

6. विंध्य–वाराणसी	विंध्याचल (मां विंध्यवासिनी का मंदिर), वाराणसी(काशी – विश्वनाथ मंदिर के लिए प्रसिद्ध), चुनार (यहां का किला दर्शनीय है)।
7. अवध परिपथ	नैमिषारण्य (सीतापुर जिले के स्थित यह वैदिक स्थल 88,000 ऋषियों की तपस्थली के रूप में विख्यात है), अयोध्या – फैजाबार (अयोध्या भगवान श्रीराम की जन्मस्थली है, जबकि फैजाबाद अवध के नवाबों के गद्दी थी) , देवाशरीफ (सूफी संत हाजी वारिस अली शाह का मजार हैं, यह स्थान बाराबंकी जिले में है)।

AZAD UPPCS ACADEMY

8. जैन परिपथ	अयोध्या (जैन धर्म के प्रथम तीर्थकर ऋषभनाथ, द्वितीय तीर्थकर अजितनाथ, चतुर्थ तीर्थकर अभिनंदननाथ एवं पांचवें तीर्थकर सुमितनाथ का जन्मस्थल), वाराणसी (07वें तीर्थकर सुपार्श्वनाथ और 26वें तीर्थकर पार्श्वनाथ का जन्मस्थल), श्रावस्ती (तृतीय तीर्थकर संभवनाथ का जन्म स्थल), कौशांबी (छइवें तीर्थकर पद्मप्रभु का जन्म स्थल), कांकड़ी (नौंवें तीर्थकर सुविधान नाथ का जन्म स्थल), महोबा('गोखर' पर्वत पर चट्टानों को काटकर बनाई गई 24 तीर्थकर की प्रतिमाओं के लिए प्रसिद्ध), देवगढ (प्राचीन जैन मूर्तियों एवं महोबा ('गोखर' पर्वत पर चट्टानों को काटकर बनाई गई 24 तीर्थकर की प्रतिमाओं की लिए प्रसिद्ध), देवगढ़ (प्राचीन जैन मूर्तियो एवं शिल्प का हेतु विख्यात स्थल)।

AZAD UPPCS ACADEMY

9. सूफी परिपथ	जायस (रायबरेली मे स्थित सूफी संत मलिक मोहम्मद जायसी से संबंधित स्थान), आगरा (शिया संत काजी नुरूल्ला का मजार), बहराइच (सूफी संत सैयद सालार मसूद गाजी की दरगाह), किछोछा (अंम्बेडकर नगर जिले में स्थित, यहां सूफी संत सैयद मखदमू अशरफ जहांगीर सिमनानी की दरगाह है।) लहरातारा तालाब(कबीर जन्म स्थल, वाराणसी) मगहर (जिला संत कबीर नगर में स्थित संत कबीर की निवार्ण स्थली)
10. वन्यजीव पर्यावरण परिपथ	दुधवा राष्ट्रीय उद्यान (लखीमपुर खीरी जिले में स्थित इस राष्ट्रीय उद्यान में बारहसिंगा, चीतल, शेर, गैंडा, बाघ, हाथी, भालू सांभर, पाड़ा अजगर एवं मगर जीव मिलते हैं), कतरनियाघाट वन्य जीव विहार (बहराइच जिले में स्थित इस वन्य जीव विहार में बाघ, हिरन एवं सांभर जीव पाए जाते हैं), पीलीभत बाघ अभयारण्य (यह अभयारण्य पीलीभीत, लखीमपुर खीरी एवं बहराइच जनपदों में विस्तारित है। प्रोजेक्ट टाइगर में शामिल बाघ अभयारण्य।

AZAD UPPCS ACADEMY

उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति 2018 के प्रमुख परिपथ

बौद्ध मठ का अर्थ ऐसे संस्थानों से है जहां बौद्ध धर्म गुरू अपने शिष्यों को शिक्षा उपदेश प्रदान करते है। भगवान बद्ध के अनुयायिओं के लिए विश्व में 5 तीर्थ मुख्य माने जाते है।

1. लुम्बिनी : भगवान बुद्ध का जन्म स्थान हैं।
2. बोध गया : वह स्थान जहां बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ था।
3. सारनाथ : वह स्थान जहां बुद्ध ने दिव्यज्ञान देना प्रारंभ किया था।
4. कुशीनगर : यह स्थान है जहां बुद्ध का महापरिनिर्वाण हुआथा।

AZAD UPPCS ACADEMY

5. दीक्षाभूमि(नागपुर): भारत में बौद्ध धर्म का पुर्नरूत्थान हुआ था।

AZAD UPPCS ACADEMY

बौद्ध सर्किट परियोजना 2020

- केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने 17 अक्टूबर 2018 को स्पष्ट किये कि देश में भगवान बुद्ध के जीवन से जुड़ी सभी जगहों को जोड़ने से संबंधित परियोजना 'बौद्ध' सर्किट का काम 2020 तक पूरा हो जाएगा। इस परियोजना में 10,000 करोड़ रूपए की लागत आने की संभावना है।
- सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय उत्तर प्रदेश और बिहार में स्थिति विभिन्न स्थानों को आपस में जोड़ने के लिए सड़कें विकसित कर रहो। इस प्रयास के अन्तर्गत वैशाली, पटना, बोध गया, राजगीर, नालंदा, कहलगांव और विक्रमशिला को आपस में जोड़ा जाएगा।

AZAD UPPCS ACADEMY

- बिहार बौद्ध सर्किट में बोध गया, नालंदा, राजगीर, वैशाली, कहलगांव और पटना शामिल हैं। धर्मयात्रा सर्किट में बोध गया (बिहार), सारनाथ (उत्तर प्रदेश), कुशीनगर (उत्तर प्रदेश) ओर पिपरहवा (उत्तर प्रदेश), शामिल हैं। विस्तृत धर्मयात्रा में बोध गया, विक्रमशिला, सारनाथ, कुशीनगर, कपिलवस्तु संकिसा और पिपरहवा शामिल है।

AZAD UPPCS ACADEMY

AZAD UPSC ACADEMY
Unit Of Azad Group

Online/ Offline Batch

AZAD IAS ACADEMY

IAS,UPPCS, RO/ARO, BPSC, UKPSC, CGPSC, MPPSC, RPSC, JPSC Exam की आसान भाषा में सम्पूर्ण तैयारी के लिए Azad IAS Academy App Download कीजिए

www.azadiasacademy.com

M.9115269789

Our Publication

Azad Publication

अब आप सभी घर बैठे ही IAS,UPPSC,BPSC, MPPSC, RAS,CGPSC,UKPSC,JPSC,UPSSSC Exam एवं सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की बुक आर्डर कर सकते है, समग्र भारत में पुस्तकों की Delivery उपलब्ध है,

www.azadpublication.com

M.8929821970

Our Foundation

Azad Publication, Azad Group का Charitable Trust है जिसका मुख्य लक्ष्य राष्ट्र की सामाजिक समस्याओं के निदान के निदान हेतु प्रखर रूप से कार्य करना हेतू हैं एवं पर्यावरण संरक्षण, पशु सेवा, आपदा रहित, शिक्षा, स्वास्थएवं विभिन्न जन समस्याओं का जन जागरूकता के माध्यम से राष्ट से में अग्रणी भूमिका निभागी हैं।

www.azadfoundation.net

Unitofazadgroup@gmail.com

ACADEMY